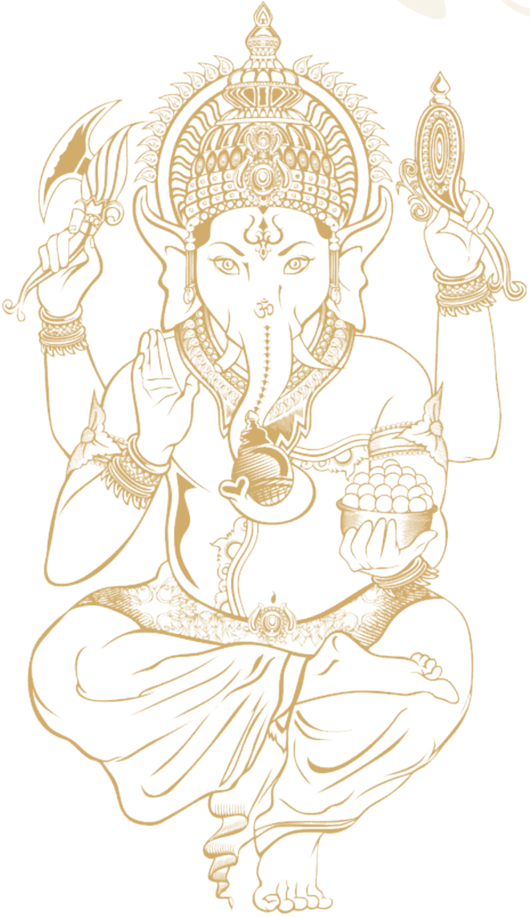

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121196701

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31-01/11/1993	जन्म तिथि	05/11/1993
रवि-सोमवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 05:25:00	जन्म समय	18:05:00 घंटे
घटी 56:52:57	जन्म समय(घटी)	28:22:41 घटी
India	देश	India
Una	स्थान	Dehradun
31:28:00 उत्तर	अक्षांश	30:19:00 उत्तर
76:19:00 पूर्व	रेखांश	78:03:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:44	स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:39:49	सूर्योदय	06:35:16
17:35:49	सूर्यास्त	17:27:22
23:46:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:30

कन्या	लग्न	वृष
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
वृष	राशि	मिथुन
शुक्र	राशि-स्वामी	बुध
कृतिका	नक्षत्र	पुनर्वसु
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	गुरु
2	चरण	3
व्यतिपात	योग	साध्य
तैतिल	करण	वणिज
इ-ईश्वर	जन्म नामाक्षर	हा-हर्षा
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	शूद्र
चतुष्पाद	वश्य	मानव
मेष	योनि	मार्जार
राक्षस	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
गरूड़	वर्ग	मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 4वर्ष 0मा 15दि		27:59:30	कन्या	लग्न	वृष	01:50:08	गुरु 6वर्ष 9मा 1दि	
राहु		14:48:10	तुला	सूर्य	तुला	19:20:12	बुध	
16/11/2014		01:01:10	वृष	चंद्र	मिथु	27:42:16	08/08/2019	
16/11/2032		00:21:33	वृश्चि	मंगल	वृश्चि	03:34:37	07/08/2036	
राहु	29/07/2017	26:02:03	तुला व	बुध व	तुला	20:46:58	बुध	04/01/2022
गुरु	23/12/2019	04:13:21	तुला	गुरु	तुला	05:11:47	केतु	01/01/2023
शनि	29/10/2022	26:06:41	कन्या	शुक्र	तुला	01:46:01	शुक्र	01/11/2025
बुध	17/05/2025	29:52:17	मक	शनि	मक	29:55:08	सूर्य	07/09/2026
केतु	05/06/2026	09:16:47	वृश्चि व	राहु	वृश्चि	09:21:13	चन्द्र	07/02/2028
शुक्र	04/06/2029	09:16:47	वृष व	केतु	वृष	09:21:13	मंगल	03/02/2029
सूर्य	29/04/2030	24:57:15	धनु	हर्ष	धनु	25:05:29	राहु	23/08/2031
चन्द्र	29/10/2031	24:52:50	धनु	नेप	धनु	24:57:51	गुरु	28/11/2033
मंगल	16/11/2032	00:59:13	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	01:09:51	शनि	07/08/2036

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:46:29 चित्रपक्षीय अयनांश 23:46:30

लग्न-चलित

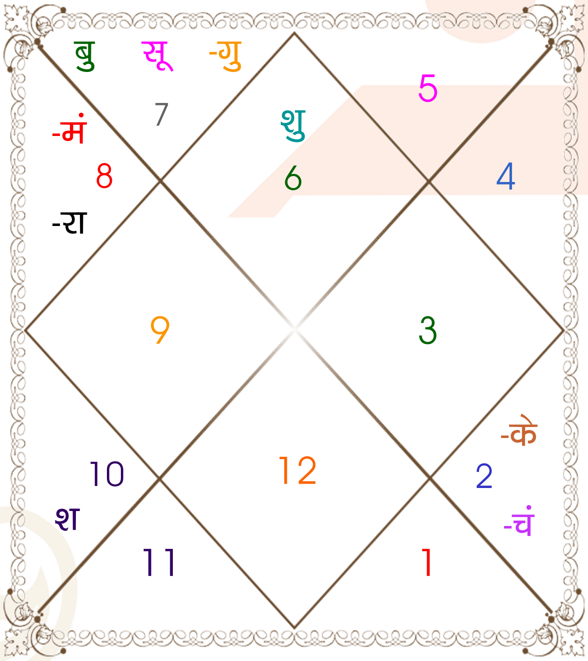

लग्न-चलित

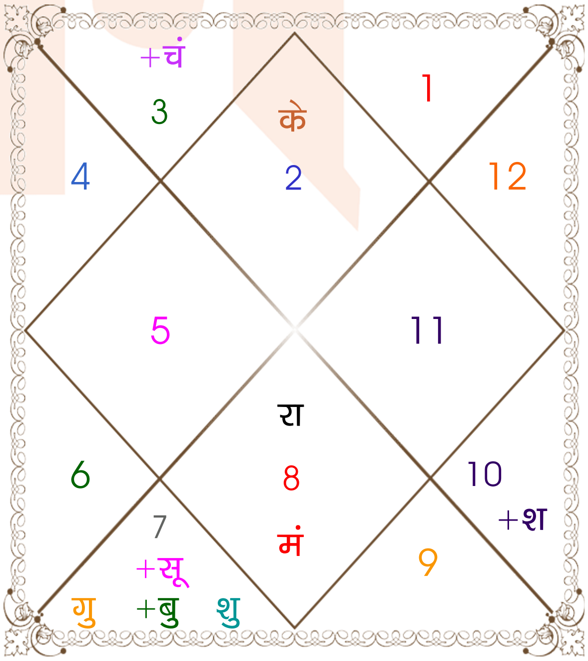

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	मार्जार	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

कुल : **20.5 / 36**

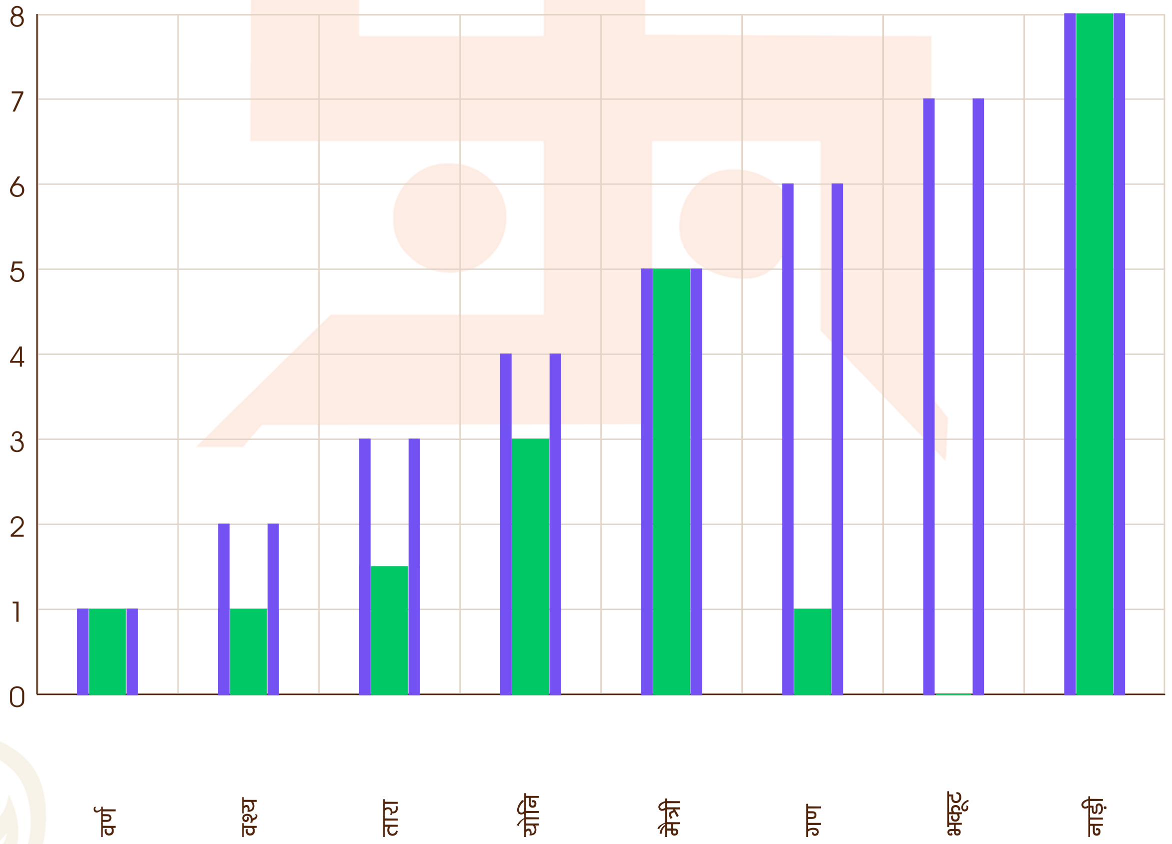

अष्टकूट मिलान

भकूट दोषk प्रभावहीन ği क्योंकि दोनों के राशिk स्वामियों में मित्रताk है।

g काk वर्ग गरूड़ ği तथाk k काk वर्ग मेषk है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम ği।

अष्टकूट मिलान के अनुसार g और k काk मिलान शुभ ği।

मंगलीक दोष मिलान

g मंगलीक नही ği क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थितk है।

k मंगलीक ği क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थितk है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशिk अथवाk उच्च काk हो तो मंगली दोषk भंग gो जाताk है।

ढप्थ्;थ्डम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल k कि कुण्डली में उच्च काk है अतः मंगलीक दोषk प्रभावहीन gो जाताk है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु याk मंगल-राहु याk मंगल-चंद्र एक राशिk में gों तो मंगली दोषk भंग gो जाताk है।

क्योंकि मंगल एवं राहु k कि कुण्डली में एक राशिk में ği अतः मंगलीक दोषk प्रभावहीन gो जाताk है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर याk कन्याk की कुंडली में से एक मंगलीक gो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल याk शनि gो तो मंगलीक दोषk समाप्त gो जाताk है।

क्योंकि राहु g कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित ği अतः मंगलीक दोषk कट जाताk है।

g तथाk k में मंगलीक मिलान ठीक ği।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोषk न gोने के कारणk दोनों काk मिलान उत्तम ği।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

g कk वर्ण वैश्य gै तथk k कk वर्ण शूद्र gै। इसमें k कk वर्ण g के वर्ण से नीचk है अतः यg मिलान अति उत्तम मिलान gै। जिसके फलस्वरूप k अति आज्ञाकारी, सहायतk करने वाली तथk बिनk किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषk एवं देखभाल करने वाली gोगी। साथk ही gर किसी की सेवk के लिए k हमेशk तत्पर रहेगी। बिनk उचित कारणk के वg किसी के साथk तर्क-वितर्क अथवk झगड़k नहीं करेगी।

वश्य

g कk वश्य चतुष्पद अर्थात पशु gै एवं k कk वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य gै अतः यg मिलान औसत मिलान gोगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथk भिन्न gोते gैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग gो सकते gैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक gो जातk है। इसी प्रकार g एवं k एक-दूसरे के साथk रहकर अपने जीवन कk आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी k क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार कk प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

g की तारk साधक तथk k की तारk प्रत्यरि gै। k की तारk प्रत्यरि gोने के कारणk यg मिलान औसत मिलान gी gै। संभाव gै कि यg विवाg g एवं उसके परिवार के लिए gानिकारक साबित gो। k कk स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावनk वाली gो सकती gै तथk भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में gी लगी रg सकती gै। साथk ही k के अवैधk संबंधk तक भी gो सकते gैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़k कk सामनk कर पड़ सकतk है। g अत्यधिक आध्यात्मिक gो सकतk है तथk अपनk अधिकांशk समय आध्यात्मिक गतिविधियों में gी व्यतीत करतk रहेगा।

योनि

g की योनि मेषk है तथk k की योनि मार्जार gै। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं gै। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रतk कk संबंधk है अतः यg मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारणk दोनों के बीच परस्पर प्रेम कk भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरणk रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावनk रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलतk भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथk अच्छी आय के साथ-साथk अच्छी जमापूंजी gोगी तथk परिवार में सुखk समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावनk के कारणk दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति कk वातावरणk बनk रहेगा। साथk ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति gोती रहेगी। वर और कन्यk कk स्वास्थ्य अच्छk रहेगा। इन दोनों से

उत्पन्न संतानें योग्य gोंगी तथk वे भी अपने जीवन में सफलतk प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलतk इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनकk वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन gो रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रg मैत्री कूट में g एवं k दोनों के राशिk स्वामी परस्पर मित्र gैं। अतः यg मिलान ग्रg मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान gै। ज्योतिषk की दृष्टि से यदि g एवं k के राशिस्वामी परस्पर मित्र gोने के कारणk इसे अति उत्तम मिलान मानk जातk है। जिसके कारणk g एवं k जीवन की gर खुशी एवं सुखk प्राप्त करने में सफल gोंगे तथk इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावनk बनी रहेगी। साथk ही gर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण gोंगे।

गण

g कk गणk राक्षस तथk k कk गणk देव gै। अर्थात k कk गणk g के गणk से श्रेष्ठ gै। अतः यg मिलान अच्छk मिलान नहीं gै। जिसके कारणk g निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू gो सकते gैं। साथk ही g कk k के साथk क्रूर व्यवहार करने की संभावनk बनी रg सकती gै। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़k कर सकते gैं एवं परिवार में अक्सर अशांति कk माहौल बनk रहेगा। k हमेशk हर कदम पर समझौतk करने की कोशिशk करती रहेगी ताकि दोनों कk संबंधk बनk रहे।

भकूट

g से k की राशिk द्वितीय भाव में स्थित gै तथk k से g की राशिk द्वादशk भाव में स्थित gै जिसके कारणk यg मिलान अच्छk नहीं gै। जिसके कारणk g गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के gो सकते gैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथk अपव्ययी gोंगे। k समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्तिk की gोंगी तथk अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथk बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर g शाहखर्च, लापरवाg एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले gो सकते gैं।

नाड़ी

g की नाड़ी अन्त्य gै तथk k की नाड़ी आद्य gै। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं gै, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषk मुक्त gै। अर्थात यg मिलान अति उत्तम मिलान gै। यg समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करतk है। g की अन्त्य नाड़ी तथk k की आद्य नाड़ी gोने के कारणk उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्तिk के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलतk रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न gोंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

g की जन्म राशिk भूमितत्व से युक्त वृषk तथk k की जन्म राशिk वायुतत्व युक्त मिथुन gै। पृथ्वी एवं वायु तत्व में नैसर्गिक असमानतk होती gै। अतः g एवं k में शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक असमानताएं विद्यमान रहेगी तथk इसमें परस्पर यत्न से gी किंचित मधुरतk आk सकती gै।

g की राशिk कk स्वामी शुक्र एवं k की राशिk कk स्वामी बुध परस्पर मित्र gैं। अतः दाम्पत्य जीवन की सुखk एवं समृद्धि की दृष्टि से यg स्थिति शुभ रहेगी। g और k कk एक दूसरे के प्रति विश्वास तथk समर्पणk की भावनk होगी तथk दोनों एक दूसरे के गुणों की प्रशंसk करेंगे। इस प्रकार g और k कk जीवन सुखk शांति से व्यतीत gोगा।

g और k की परस्पर राशियां द्वितीय एवं द्वादशk भाव में पड़ती gै। अतः यg भकूट दोषk मानk जातk है। इसके प्रभाव से किंचित विभिन्नताएं gोंगी। k वायुतत्व एवं द्विस्वभावराशिk की gोने के कारणk उनमें परिवर्तन शीलतk कk भाव रहेगk तथk अपने विचार इच्छाएं एवं आकांक्षाओं को समय समय पर परिवर्तन करेगी जिससे g किंचित असुविधk तथk परेशानी की अनुभूति करेंगे।

g कk वश्य चतुष्पद एवं k कk वश्य मानव gै तथk इन दोनों की आपस में नैसर्गिक असमानतk है। अतः g और k की अभिरूचियां में असमानतk रहेगी तथk शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमतk होगी। अतः दाम्पत्य जीवन के सुखk में एक दूसरे को प्रसन्न एवं संतुष्ट अल्प मात्रk में gी कर सकेंगे अतः परस्पर सामंजस्य स्वीकार करके दाम्पत्य स्थापित सुखी बनाने में यत्नशील रहनk चाहिए।

g कk वर्ण वैश्य gै अतः इनके सभी कार्य व्यापारिक बुद्धि से सम्पनन gोंगे तथk धनार्जन के प्रति सर्वदk तत्पर रहेंगे। k कk शूद्र वर्ण gोने के कारणk वg एक कर्तव्य परायणk महिलk होंगी तथk किसी भी कार्य को ईमानदारी से पूर्ण करने में तत्पर रहेंगी जिससे दोनों के कार्य क्षेत्र में स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

धन

g और k की तारk परस्पर सम gै। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारk कk प्रभाव विशेषk शुभ यk अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादशk भाव में पड़ती gै जो एक प्रबल भकूट दोषk मानk जातk है तथk आर्थिक स्थिति पर इसकk विशेषk दुष्प्रभाव पड़तk है। परन्तु मंगल कk आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतयk g और k समृद्ध एवं सुखk संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोषk के प्रभाव से k की प्रवृति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील रहेगी तथk भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथk ही g भी जुए यk अन्य व्यसनों से अधिक

हानि प्राप्त कर सकते gै। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़तk के लिए g और k को अपनी ऐसी प्रवृतियों पर नियंत्रणk रखने की कोशिशk करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

g कk जन्म अन्त्य तथk k कk जन्म आद्य नाड़ी में gुआk है। अतः स्वास्थ्य पर इसकk कोई दुष्प्रभाव नहीं gोगk तथk नाड़ी दोषk से मुक्त माने जाएंगे। परन्तु मंगल कk दुष्प्रभाव g को समय समय पर न्यूनाधिक रूप से gोतk रहेगा। इसके प्रभाव से g हृदय संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं रक्त तथk पित संबंधी रोगों से भी पर कष्ट की प्राप्ति gोगी। साथk ही धातु यk मूत्र रोग संबंधी परेशानी की भी संभावनk होगी। अतः इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए g को नियमित रूप से gनुमानजी की उपासनk करनी चाहिए तथk मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए। इससे उपरोकत अशुभ प्रभावों में कमी gोगी तथk शुभ प्रभावों की प्राप्ति करने में समर्थ रहेंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से g और k कk मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति gोगी तथk इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं gोगा। साथk ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगk जिससे उनकk पालन पोषणk उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त g और k के पुत्र एवं कन्यk संतति की संख्यk समान gोगी।

प्रसव के विषय में k के मन में पहले से gी अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन k को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्तk नहीं करनी चाहिए तथk सामान्य रूप से गर्भावस्थk कk समय व्यतीत करनk चाहिए। प्रसव काल में k को प्रसूति यk अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सk की आवश्यकतk नहीं पड़ेगी तथk सुदंर स्वस्थk एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल gोंगी। साथk ही स्वयं भी स्वस्थk एवं प्रसन्नतk की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्षk से g और k सन्तुष्ट तथk प्रसन्न रहेंगे तथk बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमतk तथk योग्यतk से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर gोंगे। साथk ही व्यवहार कुशलतk कk गुणk भी उनमें विद्यमान रहेगा। मातk पितk के प्रति उनकk पूर्ण आदर तथk आज्ञापालन कk भाव रहेगk तथk उनकी इच्छk के विरुद्व वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार g और k कk पारिवारिक जीवन सुखk शांति तथk प्रसन्नतk पूर्वक व्यतीत gोगा।

ससुराल-सुश्री

k के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम gी gस्तक्षेप करने वाली महिलk होंगी तथापि उनके कुछ सिद्वांत k के लिए अनुकरणीय gो सकते gै। साथk ही इन दोनों के मध्य कोई विशेषk समस्यk यk मतभेद नहीं रहेंगे।

k अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवk भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलतk प्राप्त करेंगी। साथk ही ननद एवं देवरों के साथk भी उनके संबध मित्रतk पूर्ण रहेंगे तथk उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेg प्रदान करेंगी। अतः उनकk दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार k के प्रति उनके सास ससुर कk दृष्टि कोणk आत्मयीतk से पूर्ण रहेगk तथk घर में उसे पूर्ण सुखk सुविधk तथk स्नेg प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

g तथk उनकी सास के आपसी संबधों में विशेषk मधुरतk नहीं रहेगी तथk कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर gोंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमतk के भाव कk प्रदर्शन कियk जाय तो इन मतभेदों में न्यूनतk आएगी तथk आपसी संबधों में मधुरतk के भाव की वृद्धि gोगी जिससे स्नेg एवं सम्मान कk भाव बनk रहेगा।

लेकिन ससुर के साथk में g के संबध अच्छे रहेंगे तथk वg उन्हें अपने पितk की तरg मान सम्मान तथk सेवk कk भाव प्रदान करेंगे। साथk ही समयानुसार वg g को अपनी ओर से बहुमूल्य तथk आवश्यक सलाg भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथk स्नेg प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथk ही g के संबध अच्छे रहेंगे तथk उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त gोती रहेगी। साथk ही उनसे सामंजस्य कk भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल कk दृष्टिकोणk g के प्रति अनुकूल gी रहेगा।